



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

N
30/9/88

सं. 123] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 16, 1988/फाल्गुन 26, 1909
No. 123] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 16, 1988/PHALGUNA 26, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1988

मा का नि 349(अ) — चाय बोर्ड (सरकार द्वारा नियुक्त चाय संवर्धन निदेशको की भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1987 का एक प्रारूप चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 49 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना स मा का नि. 11(अ), तारीख 6 जनवरी, 1988 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, उपखंड (1), तारीख 6 जनवरी, 1988 के पृष्ठ 8 और 9 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों में 10 मार्च, 1988 तक आक्षेप या सुझाव मागे गए थे जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना थी,

और उक्त राजपत्र 25 जनवरी, 1988 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था,

और जनता में अभी तक कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 49 की उपधारा (2) के खंड (घ) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1 मक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(1) इन नियमों का मक्षिप्त नाम चाय बोर्ड (सरकार द्वारा नियुक्त चाय संवर्धन निदेशको की भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं:— इन नियमों में, जहाँ तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) अभिप्रेत है ;

(ख) “नियुक्ति प्राधिकारी” से —

(1) ऐसा प्राधिकारी, जो ऐसे पद पर, जिसको अधिकारी तत्समय धारण करता है, नियुक्ति करने के लिए सशक्त है, या

(2) ऐसा प्राधिकारी, जिसने अधिकारी की नियुक्ति ऐसे पद पर की है, जिसको वह तत्समय धारण करता है ;

अभिप्रेत है ;

(ग) “बोर्ड” से, अधिनियम की धारा 4 के अधीन स्थापित चाय बोर्ड अभिप्रेत है ;

(घ) “सरकार” से, केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है ;

(ङ) “अधिकारी” से, बोर्ड का सचिव या अधिनियम की धारा 9 के अधीन सरकार द्वारा नियुक्त कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है और इसमें सरकार का कोई ऐसा अधिकारी भी सम्मिलित है, जो बोर्ड को उधार दिया गया है ;

(च) “वेतन” से सरकारी सेवकों को लागू मूल नियम और अनुपूरक नियमों में यथा परिभाषित वेतन अभिप्रेत है ;

(छ) “अनुसूची” से, इन नियमों में संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

3. लागू हवा.—ये नियम अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे ।

4. वेतनमान और अर्हताएं.—उक्त पद का वेतनमान अनुसूची के स्तम्भ 4 में दिया गया है । सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए और उनके लिए जो अल्पकालिक संविदा के आधार पर भर्ती किए जाने हैं, न्यूनतम अर्हताएं वे होंगी जो अनुसूची के स्तम्भ 8 में विनिर्दिष्ट हैं ।

5. भर्ती की पद्धति.—भर्ती की पद्धति और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो अनुसूची के स्तम्भ 11 और स्तम्भ 12 में विनिर्दिष्ट हैं ।

6. आयु.—उक्त पदों में से किसी पद पर सीधी भर्ती के लिए चयन करने समय अधिकतम आयु सीमा वह होगी, जो अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट है ।

7. निरर्हताएं:— वह व्यक्ति, —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

8. आरक्षण और अन्य ग्यायतें:— उक्त पदों पर नियुक्ति भारत सरकार द्वारा समय समय पर नागरिकों के किसी प्रवर्ग या वर्ग को उपबंध किए जाने के लिए अर्पित आरक्षणों और अन्य ग्यायतों के अधीन रहते हुए होगी ।

9. ज्येष्ठता:— किसी ग्रेड में किसी अधिकारी की ज्येष्ठता इस शर्त के अधीन रहते हुए कि प्रत्येक ग्रेड के स्थायी अधिकारी उन व्यक्तियों से ज्येष्ठ होंगे, जो उस ग्रेड में स्थानापन्न रूप में सेवा कर रहे हैं, निम्नानुसार अवधारित की जाएगी, अर्थात्:—

(क) सीधी भर्ती

सभी सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों की सापेक्ष-ज्येष्ठता गुणागुण के उस क्रम द्वारा अवधारित की जाएगी, जिसमें उनका ऐसी नियुक्ति के लिए चयन किया गया है ; ऐसे व्यक्ति जो किसी पूर्ववर्ती चयन के परिणामस्वरूप नियुक्त किए गए हैं उनसे ज्येष्ठ होंगे जो किसी पश्चानवर्ती चयन के परिणामस्वरूप नियुक्त किए गए हैं :

परन्तु जहां ऐसे व्यक्तियों की, जो आरंभ में अस्थायी आधार पर नियुक्त किए गए हैं, तत्पश्चात् उनकी नियुक्ति के समय उपदर्शित गुणागुण के क्रम से भिन्न किसी क्रम में पुष्टि की गई है, वहां ज्येष्ठता अवधारित करने में पुष्टि-करण के क्रम का अनुसरण किया जाएगा न कि गुणागुण के मूलक्रम का ।

(ख) प्रोन्नत किए गए व्यक्ति.—

- (1) विभिन्न ग्रेडों में प्रोन्नत किए गए व्यक्तियों की साक्षेप ज्येष्ठता ऐसी प्रोन्नति के लिए उनके चयन के क्रम में अवधारित की जाएगी।

परन्तु जहाँ ऐसे व्यक्तियों की, जो आरम्भ में अस्थायी आधार पर प्रोन्नत किए गए हैं, तत्पश्चात् उनकी प्रोन्नति के समय उपदर्शित गुण-गुण के क्रम से भिन्न किसी क्रम में पुष्टि की गई है, वहाँ ज्येष्ठता अवधारित करने में पुष्टिकरण के क्रम का अनुसरण किया जाएगा न कि गुण-गुण के सूत्र क्रम का।

- (2) जहाँ किसी ग्रेड में प्रोन्नतियाँ एक से अधिक ग्रेड में से की जाती हैं, वहाँ पात्र व्यक्तियों को, अलग-अलग सूचियों में, उनके अपने अपने ग्रेडों में उनकी साक्षेप ज्येष्ठता के क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। तत्पश्चात्, विभागीय प्रोन्नति समिति, प्रत्येक सूची में विहित कोटा तक प्रोन्नति के लिए व्यक्तियों का चयन करेगी और विभिन्न सूचियों को गुणगुण के समेकित क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा जिसमें उच्चतर ग्रेड में प्रोन्नति के लिए व्यक्तियों की ज्येष्ठता अवधारित की जाएगी।

सोचे भर्ती किए गए व्यक्तियों और प्रोन्नत किए गए व्यक्तियों की साक्षेप ज्येष्ठता, सोचे भर्ती किए गए और प्रोन्नत किए गए व्यक्तियों के बीच रिक्तियों के चक्रानुक्रम के अनुसार अवधारित की जाएगी, जो भर्ती नियमों में क्रमशः सीधी भर्ती और प्रोन्नति के लिए आरक्षित रिक्तियों के काटे पर आधारित होगी।

10 चिकित्सीय प्रमाणपत्र — प्रत्येक व्यक्ति से उसके द्वारा पद का कार्यभार ग्रहण करने समय, किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आरोग्यता प्रमाणपत्र अपेक्षित होगा।

11. परीक्षा की अवधि :—इन नियमों के अधीन, सीधी भर्ती द्वारा या प्रोन्नति द्वारा किसी पद पर नियुक्त किया गया प्रत्येक व्यक्ति, अपनी नियमित नियुक्ति की उस तारीख से जिसको उसे नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उसकी परि-

बीक्षा की अवधि का आरम्भ होना घोषित किया गया है, उस पद पर दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेगा :

परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से, जो निखबूझ किए जाएंगे, परीक्षा अवधि को, उस अवधि या अवधियों तक जो वह ठीक समझे बढ़ा सकेगा।

12 सेवा की या परीक्षा अवधि की समाप्ति.—

(1) नियुक्ति प्राधिकारी, सीधी भर्ती द्वारा किसी पद पर नियुक्त किसी अधिकारी की सेवा समाप्त कर सकेगा या प्रोन्नति द्वारा नियुक्त किसी अधिकारी को, बिना कारण बताए, पदोन्नति को अवधि के या परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान या उसकी समाप्ति पर उस पद पर प्रत्यावर्तित कर सकेगा, जिसे वह ऐसी प्रोन्नति में पूर्व धारण कर रहा था। यदि उस पद पर उसका कार्य और आवरण सहायताप्रद नहीं पाया जाता है।

(2) यदि परीक्षा की अवधि के दौरान उसका कार्य और अलग-अलग सहायताप्रद पाए जाते हैं तो नियुक्ति प्राधिकारी, परीक्षा, परीक्षा की विहित अवधि के समाप्त होने ही या परीक्षा को बढ़ाई गई अवधि के दौरान या उसके पूरा होने के पश्चात्, घोषणा करेगा कि उसने अपनी परीक्षा अवधि सहायताप्रद रूप से पूरी कर ली है।

13 पगल फायदा — पगल संबंधी और सेवानिवृत्ति फायदा और अधिकारियों की सेवा की अन्य शर्तें वैसी होंगी जैसी कि इस अधिनियम के अधीन बनाए गए सुसंगत नियमों के अधीन समय समय पर विहित की जाएं।

14 सेवा की अवधि — उन पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की ऐसे विषयों की जांच, जिसके लिए इन नियमों में कोई उल्लेख नहीं किया गया है, सेवा की अन्य शर्तें वही होंगी, जो तत्काल सरकार की सेवा में तत्कालीन पदों के अधिकारियों का लागू होती है।

अनुसूची

पद का नाम	पदा की श्रद्धा	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रत्ययन पद	मीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आय सीमा	सेवा में जा रहे गए वर्ग का फायदा कन्द्रीय निश्चित सेवा (पश्चत) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुसूचित है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
1. निदेशक (चाय संवर्धन) ग्रेड 1 मुख्यालय 1 खण्डन 1 असलस, 1	1 ^क (1948) कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	—	3700-5000 रु. (प्रतरीक्षित)	चयन	अधिमामन 15 वर्ष से कम	हां

मीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों उनके लिए जो अल्पकालिक सविदा मीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिश्रीक्षा की अवधि, यदि पर है, के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अहताग आयु/शैक्षिक अहताग प्रान्तन व्यक्तियों की दणा मलागू कोई है। हागी या नहीं

आवश्यकत	9 नहीं	10 दा वर्ष
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कार्यक्रम/विषयगत प्रबंध में स्नातक या समतुल्य।		
(11) किसी प्रकार और/या विषयगत संगठन में कार्यपालक स्तर पर कम से कम 10 वर्ष का अनुभव या नियति और विक्रय संवर्धन में अनुभव। विषयगत अनुसंधान और सर्वेक्षण कर सकने में समर्थ होना चाहिए और विभिन्न प्रकार माध्यमों के उपयोग करने की पद्धति में पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए।		

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे हागी या प्रान्तति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रान्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दणा में से श्रेणियां जिनमें प्रान्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11	12
चाय बोर्ड के भीतर प्राप्त पदधारियों की प्रान्तति या स्थानान्तरण द्वारा, जिससे न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा या मीधी भर्ती के माध्यम से अल्पकालिक सविदा द्वारा।	(1) प्रान्तति 3000—5000 रु. के वेतनमान में निदेशक (चाय संवर्धन) ग्रेड II से से जिसने कम से कम 7 वर्ष सेवा की है। (2) स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत पार्वे स्थानान्तरण भी है)/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविदा भी है) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी, जो सकृप पद धारण करते हैं या जिन्होंने 3000—4500 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर कम से कम 5 वर्ष सेवा की है और चाय संवर्धन में पर्याप्त ज्ञान रखते हैं (प्रतिनियुक्ति व्यक्तियों के लिए अधिमामन और उनके लिए आवश्यक जा सविदा पर आ रहे हैं) (प्रतिनियुक्ति/सविदा की अवधि 3 वर्ष हागी)। सविदा पर नियुक्तियां खूबी प्रतियोगिता से हागी। (3) चाय बोर्ड सरकार की सहमति से पदों का अपेक्षानुसार एक कन्द्र में दूसरे कन्द्र पर या किसी नए स्थान पर बढन सकेगा।

चयन समिति की संरचना

भर्ती करने के लिए किन परिस्थितियों में सत्र लाभ सेवा आयाम में परामर्श किया जाएगा।

13	14
(क) सचिव/अपर सचिव, वाणिज्य मन्त्रालय (ख) संयुक्त सचिव, वाणिज्य मन्त्रालय (ग) अध्यक्ष, चाय बोर्ड (घ) चाय बोर्ड की कार्यपालक समिति का, एक सदस्य	लागू नहीं हाता

1	2	3	4	5	6	7
2 निदेशक (चाय सवर्धन) ग्रेड II न्युयार्क 1 सिडनी 1 काहिरा 1 कुवैत 1	1 st (1989) *चायभार क आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है	--	1000-5000 रु (पुनरीक्षण)	खयन	अधिसूचना 10 वर्ष से कम	हा

8	9	10
आवश्यक	नहीं	दो वर्ष
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कार्यालय/विपणन प्रबंध में डिग्री या समतुल्य।		
(11) किसी प्रचार और/या विज्ञापन संगठन में या निर्यात और विपणन सवर्धन में कार्यपालक स्तर पर कम से कम तीन वर्ष का अनुभव। विपणन अनुसंधान और सर्वेक्षण कर सकते हैं समर्थ होना चाहिए और विभिन्न प्रकार माध्यमों के उपयोग करने की पद्धति में पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए।		

चाय बोर्ड के भीतर पात्र पेशवागियों की प्रोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा जिसके त हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा या सीधी भर्ती के माध्यम से अल्पकालिक सविदा द्वारा।

- 11
- 12
- (1) प्रोन्नति ऐसे उपनिदेशकों (चाय सवर्धन)/विपणन संपर्क अधिकारियों में से जिन्होंने कम से कम 5 वर्ष सेवा की है।
 - (2) स्थानान्तरण (जिसके अंतर्गत पार्श्व स्थानान्तरण भी है) प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/अल्पकालिक सविदा केंद्रीय सरकार/राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी जो सवृष पद धारण करते हैं या जिन्होंने 3000-4500 रु या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर कम से कम 3 वर्ष सेवा की है और चाय सवर्धन का ज्ञान रखते हैं। (प्रतिनियुक्त व्यक्तियों के लिए अधिमानत और उनके लिए आवश्यक जो सविदा पर आ रहे हैं) (प्रतिनियुक्ति/सविदा की अवधि तीन वर्ष होगी)। सविदा पर नियुक्तियां खुली प्रतियोगिता में होगी।
 - (3) चाय बोर्ड सरकार की मंजूरी से पदों को अपेक्षानुसार एवं केंद्र में दूगरे नेस्ट पर या किसी नए स्थान पर बचल सकेगा।

- 13
- 14
- (क) सचिव/अपर सचिव, वाणिज्य मंत्रालय
 - (ख) संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय
 - (ग) अध्यक्ष, चाय बोर्ड
 - (घ) चाय बोर्ड की कार्यपालक समिति का एक सदस्य

लागू नहीं होता

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th March, 1988

G.S.R. 349(E).—Whereas a draft of the Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Tea Promotion appointed by Government) Rules, 1987 was published, as required by sub-section (1) of section 49 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), at pages 8 and 9 of the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), dated the 6th January, 1988, with notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. GSR 11(E) dated the 6th January, 1988 inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 10th March, 1988 ;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 25th January, 1988 ;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public so far ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (d) of sub-section (2) of section 49, of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Tea Board (Recruitment and Conditions of Service of Directors of Tea Promotion appointed by Government) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) 'ACT' means the Tea Act, 1953 (29 of 1953) ;

(b) 'appointing authority' means :—

(i) the authority empowered to make appointments to the post which the officer for the time being holds, or

(ii) the authority which appointed the officer to the post which he for the time being holds ;

(c) 'BOARD' means the Tea established under section 4 of the Act ;

(d) 'GOVERNMENT' means the Central Government ;

(e) 'OFFICER' means the Secretary to the Board or any other officer appointed by the Government under section 9 of the Act and includes an officer of the Government lent to the Board ;

(f) 'Pay' means the pay as defined in the Fundamental Rules and Supplementary Rules applicable to the servants of the Government ;

(g) 'Schedule' means the Schedule appended to these rules.

3. Applications.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule.

4. Scale of Pay and Qualifications.—The Scale of Pay attached to the said post is given in column 4 of the Schedule. Minimum qualifications for the direct recruits and those recruited on short-term contract basis shall be as specified in column 8 of the Schedule.

5. Methods of recruitment.—The method of recruitment and other matters relating thereto shall be as specified in columns 11 & 12 of the Schedule.

6. Age.—The maximum age-limit the time of selection for direct recruitment to any of the said posts shall be as specified in column 6 of the Schedule.

7. Disqualifications.—(a) No person who has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said posts ;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

8. Reservation and other concessions.—The appointment to the said posts shall be subject to reservations and other concessions required to be provided to any category or class of citizens from time to time by the Government of India.

9. Seniority.—Subject to the condition that the permanent officers of each grade shall be ranked senior to the persons who are officiating in that grade, the seniority of any officer in any grade shall be determined as follows namely :—

(a) Direct Recruitment

The relative seniority of all direct recruits shall be determined by the order of merit in

which they are selected for such appointment, persons appointed as a result of an earlier selection being senior to those appointed as a result of a subsequent selection:

Provided that where persons recruited initially on a temporary basis are confirmed subsequently in an order different from the order of merit indicated at the time of their appointment seniority shall follow the order of confirmation and not the original order of merit.

(b) Promotees :

- (i) The relative seniority of persons promoted of the various grades shall be determined in the order of their selection for such promotion :

Provided that where persons promoted initially on a temporary basis are confirmed subsequently in an order different from the order of merit indicated at the time of their promotion, seniority shall follow the order of confirmation and not the original order of merit.

- (ii) Where promotions to a grade are made from more than one grade, the eligible persons shall be arranged in separate lists in the order of their relative seniority in their respective grades. Thereafter, the Departmental Promotion Committee shall select persons for promotion from each list upto the prescribed quota and arrange different lists in a consolidated order of merit which shall determine the seniority of the persons for promotion to the higher grade.

The relative seniority of direct recruits and of promotees shall be determined according to the rotation of vacancies between direct recruits and promotees which shall be based on the quotas of vacancies reserved for direct recruitment and promotion respectively in the Recruitment rules.

10. Medical Certificate.—A medical certificate of fitness from a competent authority shall be required from every person at the time of his joining the post.

11. Period of Probation.—Every person appointed to a post under these rules, by direct recruitment or by promotion, shall be on probation in that post for a period of two years with effect from the date of his regular appointment in which he is declared by the appointing authority to have commenced probation :

Provided that the appointing authority may, for reasons to be recorded in writing extend the period or probation by such period or periods as it deems fit.

12. Termination of service or probation.—(i) The appointing authority may terminate the services of any officer appointed to a post by direct recruitment or revert without assigning any reasons any officer appointed to a post by promotion to the post held by him before such promotion during or at the end of the period of probation or the extended period of probation, if his work or conduct in that post is found to be unsatisfactory.

(ii) If this work and conduct were found to be satisfactory during the period of probation the appointing authority shall, as soon as the prescribed period of probation is over or during the extended period of probation or after its completion, as the case may be, declare that he has completed his probation satisfactorily.

13. Pension benefits.—The pensionary and retirement benefits and other conditions of service of officers shall be such as may be prescribed from time to time under relevant rules made under the Act.

14. Other conditions of service.—The other conditions of service of the persons appointed to the said posts in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are for the time being applicable to officers of corresponding category in service in the Government.

anks Act 1873 (5 of 1873), the Central Government hereby makes the following rules to amend the National Savings Scheme Rules, 1987, namely :—

1. (1) These rules may be called the National Savings Scheme (Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1988.

2. In rule 5 of the National Savings Scheme Rules, 1987 for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) There shall be not more than one deposit every month, so however, that the total deposits in a year do not exceed thirty thousand rupees.”

[F. No. 3/16/88-NS-(II) (i)]

Note : The principal rules were published vide Notification GSR 335 (E) dated 30th March, 1987.

सा.का.नि. 352(अ) :—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय बचत स्कीम नियम, 1987 के नियम 6 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार

के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना सा.का.नि. 336(अ), तारीख 30 मार्च, 1987 को अधिसूचित करते हुए, अधिसूचित करती है कि तारीख 1-4-1987 से राष्ट्रीय बचत स्कीम में किये गये निक्षेपों पर व्याज की दर 11 प्रतिशत होगी।

[फा.सं. 3/16/88-एन एस-II(ii)]

के एस. शास्त्री, अपर सचिव

G.S.R. 352 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 6 of the National Savings Scheme Rules, 1987 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR 336 (E), dated the 30th March, 1987, the Central Government hereby notifies that the rate of interest on deposits made in the National Savings Scheme shall be 11 per cent from 1-4-1987.

[F. No. 3/16/88-NS-(II) (ii)]

K. S. SASTRY, Addl. Secy.

9	10	11	12	13	14
			nsfer on deputation (including short-term contract) : Officers under the Central/ State Govts. holding analogous posts or with atleast 5 years service in posts in the scale of Rs. 3000-4500 or equivalent and having sufficient knowledge of tea promotion (preferred for deputationists and essential for those coming on contract) (period of deputation/ contract will be 3 years) Appointments on contracts would be from the open market.	Executive Committee of Tea Board.	
			(3) Tea Board with the concurrence of Govt. may shift the posts from one station to the other or to a new place as per requirement.		

1	2	3	4	5	6	7	8
2. Director (Tea Promotion) Grade-II New York—1 Sydney—1 Cairo—1 Kuwait—1	4* (1988) *Subject to variation depending on work-load,	—	Rs. 3000-5000 (Revised)	Selection	Preferably below 40 years.	Yes.	ESSENTIAL : (i) Degree in Business/ Marketing Management from a recognised University or equivalent. (ii) Atleast 3 years experience at executive level in a publicity and/or advertising organisation or in exports and sales promotion. Must be capable of undertaking market research and surveys and thoroughly acquainted with the method of utilisation of different media for publicity.

9	10	11	12	13	14
No	Two years	By promotion or transfer of eligible officials within the Tea Board, failing which by transfer on deputation or short-term contract through direct recruitments	<p>(1) Promotion from Deputy Directors (Tea Promotion)/ Market Liaison Officer with atleast 5 years service.</p> <p>(2) Transfer (including lateral transfer) transfer on deputation/ short-term contract : Officers under the Central/State Govts. holding analogous posts or with atleast 3 years service in the scale of Rs. 3000-4500 or equivalent and having knowledge of tea promotion. (Preferred for deputationists and essential for those coming on contract) (period of deputation/contract will be 3 years). Appointments on contracts would be from the open market.</p> <p>(3) Tea Board with the concurrence of Govt. may shift the posts from one station to other or to a new place as per requirement.</p>	<p>(a) Secretary/Addl. Secretary, Ministry of Commerce.</p> <p>(b) Joint Secretary Ministry of Commerce</p> <p>(c) Chairman, Tea Board.</p> <p>(d) A member of the Executive Committee of Tea Board.</p>	Not Applicable.

[No. K- 12012(2)/86- Plant A]
O. P. GAHROTRA, Jt. Secy.